मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
महर्षि पतञ्जलि संस्कृत संस्थान
R- 24 जोन – 1 एम.पी. नगर, मध्यप्रदेश, भोपाल – 462003
फोन नं.– 0755–2576214, 2576215, 2576209
ई–मेल : maharshipatanjali2014@gmail.com वेबसाइट –www.mpssbhopal.org

क्रमांक / म.प.सं.सं. / सामान्य / 2020 / 16 भोपाल, दिनांक 29.05.2020

गत दो वर्षों 2018–19 एवं 2019–20 में संस्थान की उपलब्धियाँ

म.प्र. राज्य में संस्कृत तथा उसके साहित्य के अध्यापन क्षेत्र में अनुसंधान और व्यापक अध्ययन को अग्रसर करने के प्रायोजन हेतु और स्कूल स्तर पर संस्कृत शिक्षा को विनियमित करने के लिये और उससे संसक्त एवं आनुषंगिक अन्य विषयों के लिये म.प्र. राजपत्र दिनांक 11 मई 2007 से जारी महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान अधिनियम 2007 के द्वारा संस्थान की स्थापना की गयी । अधिनियम की धारा 4 एवं 5 में उल्लेखित उद्देश्य एवं शक्तियों के परिपेक्ष्य में विगत दो वर्षों (सत्र 2018–19 एवं 2019–20) में निम्नानुसार उपलब्धियाँ अर्जित की गयी है :–

क्र.	उद्देश्य	उपलब्धियाँ
1.	संस्थाओं / स्कूलों / विशिष्ट अध्ययन केन्द्रों की स्थापना करना, उनका संधारण करना और प्रबन्ध करना	• प्रदेश का पहला शासकीय कन्या आवासीय संस्कृत विद्यालय भोपाल में प्रारंभ हो गया है। जहाँ कक्षा 6 से 12वीं तक संस्कृत माध्यम में शिक्षा दी जा रही है। इस विद्यालय के साथ 210 सीटर छात्रावास, निःशुल्क भोजन एवं शासन की समस्त सुविधाऐं है। यहाँ छात्रायें पारम्परिक एवं आधुनिक पद्धतियों के माध्यम से अध्ययन कार्य कर रही है। • प्रदेश में पांच आदर्श संस्कृत विद्यालय, सिरोंज, दतिया, उज्जैन, प्रहलादपुर एवं बरही (कटनी) में प्रारंभ किये जा चुके है। इन विद्यालयों में संस्कृत की शिक्षा के परम्परागत विधि से किये जा रहे अध्ययन को और भी अधिक उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिये आधुनिक पद्धति से भी शिक्षा का प्रावधान है। इन सभी विद्यालयों में संस्कृत और इसके साहित्य तथा प्राच्य संस्कृत को सम्मिलित करते हुये संस्कृत में ज्ञान की सम्बद्ध शाखाओं के अध्ययन की व्यवस्था की गयी है।

2.	उत्तरमध्यमा (उच्चतर माध्यमिक) स्तर तक संस्कृत शिक्षा से संबंधित शिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करना।	• संस्थान की विद्या परिषद् में कक्षा 1 से 12वी तक नवीन पाठ्यक्रम निर्मित कर संस्थान द्वारा राज्य शिक्षा केन्द्र के माध्यम द्वारा रू. 4.65 लाख स्वीकृत कर 58 संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के निर्माण का कार्य प्रांरभ हो गया है। अभी तक तीन पाठ्यपुस्तके पूर्ण हो चुकी है। • एल.के.जी एवं यू.के.जी पाठ्यक्रम प्रांरभ किया जाकर 2 पाठ्यपुस्तकों को संस्थान की वेवसाइट **www.mpssbhopal.org** पर अपलोड किया गया है।
3.	सतत् शिक्षा के माध्यम से संस्कृत से संबंधित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रांरभ करना।	व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान, व्यावहारिक वास्तुशास्त्र एवं पौरोहित्यम (कर्मकाण्ड) में एक वर्षीय रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम कोर्स प्रांरभ किया जाकर शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र शिवाजी नगर, भोपाल अनुसंधान एवं अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गयी है। यहाँ प्रत्येक विधा में 30–30 सीटे इस प्रकार कुल 90 सीट में मेरिट के आधार पर प्रवेश किया जाता है।
4.	संस्कृत भाषा और साहित्य में सन्निहित ज्ञान, विज्ञता और दृष्टिशक्ति का प्रचार–प्रसार करना।	• व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान, वास्तुशास्त्र, योग एवं पौरोहित्य के ज्ञान एवं अनुसंधान को सामान्य जनों को परिचित कराने हेतु राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान के समन्वय से राष्ट्रीय कार्यशालायें, संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। • प्रदेश में संस्कृत और इसके विकास तथा संस्कृत शालाओं की स्थिति में सुधार के लिये विगत वर्ष 18 मार्च 2018 को नवसम्वत्सर महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रख्यात विद्वान प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, पूर्वचेयरमेन, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, पूर्व कुलपति महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, डॉ. यादकिरण शालूजा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संस्कृत भारती दिल्ली, डॉ. मनमोहन उपाध्याय, पूर्व चेयरमेन महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल एवं डॉ. सम्पदानंद मिश्र, निदेशक श्री अरविन्द भारतीय संस्कृति संस्थानम्, पुदुचेरि., प्रतिष्ठाता संस्कृत बाल साहित्य परिषद् द्वारा प्रतिभागिता की गयी एवं दिनांक 2 से 4 जनवरी 2020 को राज्यस्तरीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रख्यात संस्कृत विद्वानों प्रोफेसर कृष्णमूर्ति रामसुब्रमण्यन्, आईआई टी. मुंबई, डॉ. सम्पदानंद मिश्र, निदेशक श्री अरविन्द भारतीय संस्कृति संस्थानम्, पुदुचेरि., प्रो. डॉ.

		रामनाथ झा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं प्रो. डॉ. बाय.एस. रमेश, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर द्वारा प्रतिभागिता की गयी। • प्रदेश के समस्त शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों एवं शासकीय/अशासकीय/ प्राच्य/ परम्परागत संस्कृत उ.मा.विद्यालयों में गत दो वर्षों में 7 दिवसीय संस्कृत सप्ताह महोत्सव के आयोजन हेतु महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा इन विद्यालयों को राशि उपलब्ध करायी गयी।
5.	संस्कृत की अनौपचारिकेत्तर शिक्षा को बढ़ावा देना।	संस्कृत साहित्य एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताओं से परिचित कराने के लिये संस्थान द्वारा दिनांक 18 मार्च 2018 को घुण बैण्ड की प्रस्तुति का आयोजन किया गया था एवं दिनांक 2 से 4 जनवरी 2020 को "ऋतुसंहारम्" नृत्य नाटिका एवं "विद्योतमा" संस्कृत नाटक एवं संस्कृत गीत आयोजित किये गये। इसी श्रृंखला में संस्कृत नाटक विद्योतमा की प्रस्तुति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल, जवाहर बाल भवन, भोपाल, राष्ट्रीय बालरंग एवं गुजरात यूनिवर्सिटी की सीनेट हॉल अहमदाबाद में नृत्यनाटिकाओं का मंचन किया गया है।
6.	संस्कृत, योग एवं खगोल विज्ञान की संस्थाओं का विकास।	• महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के सर्व सुविधा युक्त 4 मंजिला नवीन भवन हेतु लागत रू. 8.38 करोड़ स्वीकृत किये गये। इस भवन में 165 सीटर आडीटोरियम, गेस्ट हाऊस एवं कार्यालय की व्यवस्था है। • संस्कृत विद्यालय सिरोंज हेतु 5 एकड़ भूमि आवंटित की जाकर विद्यालय एवं छात्रावास निर्माण हेतु प्रक्रिया प्रचलन में है। • शासकीय आदर्श कन्या संस्कृत विद्यालय भोपाल (गार्गी) की छात्राओं के लिए अल्कापुरी भोपाल में एक एकड़ की जमीन का आवंटन का कार्य प्रगति में है। • शासकीय जीवाजी वेधशाला उज्जैन की अधोसंरचना के विकास एवं उन्नयन कार्य हेतु रू. 1.28 करोड़ राशि व्यय की गयी। इसमें निर्माण एवं मरम्मत कार्य रिटेनिंग वॉल, तारामण्डल का डिजिटलाईजेशन, प्रोजेक्टर इत्यादि की व्यवस्था की गयी। • वर्ष 2018-19 में कुल 46205 एवं 230 विदेशी पर्यटकों ने वेधशाला अवलोकन किया। 8290 पर्यटकों ने

		तारामण्डल तथा 269 पर्यटकों ने टेलिस्कोप से आकाशीय अवलोकन किया गया। वर्ष 2019–20 में (31 मार्च 2020 तक) कुल 61585 एवं 176 विदेशी पर्यटकों ने वेधशाला अवलोकन किया गया। 13310 पर्यटकों ने तारामण्डल तथा 183 पर्यटकों ने टेलिस्कोप से आकाशीय अवलोकन किया। • योग के प्रचार–प्रसार हेतु शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र, शिवाजी नगर, भोपाल के सुदृढ़ीकरण के लिये योग केन्द्र में रू. 50,000/– निर्माण कार्य हेतु एवं रू. 50,00,000/– नवीन सामग्री हेतु व्यय किये गये। इस केन्द्र में विगत दो वर्ष 2018–19 में 372 एवं 2019–20 में 260 शासकीय विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों एवं प्राचार्यों ने योग प्रशिक्षण प्राप्त किया। • दिनांक 03.03.2020 से 07.03.2020 तक विभागीय अधिकारियों को संचालनालय स्तर से आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें लोक शिक्षण संचालनालय, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, राज्य शिक्षा केंद्र, म.प्र.शासन स्कूल शिक्षा विभाग, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान एवं ओपन स्कूल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। • शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के पुस्तकालय मे उपलब्ध लगभग 3000 पुस्तकों का डिजीटाईजेशन का कार्य वर्तमान में प्रचलित है।
7.	संस्कृत के उन्नयन एवं प्रसार के लिये पुरूस्कार	प्रदेश मे पहली बार महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2018 एवं 2019 में आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की प्राविण्य सूची में प्रथम 10–10 स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को रू. 9,46,000/– डिमॉड ड्राफ्ट द्वारा प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।
8.	संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने मे सहायक संस्थाओं को वित्तीय सहायता देना	• सत्र 2017–18 प्राच्य एवं परम्परागत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये दो विद्यालयों के लिये रू. 50–50 लाख वित्तीय सहायता की स्वीकृति प्राप्त की गयी। • सत्र 2017–18 में संस्थान से सम्बद्धता प्राप्त 36 संस्कृत विद्यालयों को कम्प्यूटर प्रदाय हेतु राशि स्वीकृत की गयी। • संस्थान द्वारा स. 2019–20 में एक अशासकीय विद्यालय को रू. 15.00 लाख एवं 7 विद्यालयों को 5–5 लाख राशि की स्वीकृति प्रदान की गयी।

9.	संस्थान की गतिविधियों का प्रचार–प्रसार	• महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, शासकीय जीवाजी वेधशाला उज्जैन एवं शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल की वेबसाइट www.mpssbhopal.org प्रारम्भ कर दी गयी है। • वेधशाला की वेबसाइट www.jiwajiobservatory.org का निर्माण किया जा चुका है। वेबसाइट में प्राचीन यंत्रों, मौसम के यंत्रों, पंचांग, पुस्तकों, फोटो गैलरी, वेधशाला के कार्यों आदि को स्थान दिया गया है तथा वेधशाला के पुस्तकालय में स्थित सम्पूर्ण प्राचीन ग्रन्थों का डिजिटलाइजेशन किया जाकर वेबसाइट में अपलोड किया जा चुका है। वेधशाला के कुल प्राचीन दुर्लभ 838 ग्रन्थों को अपलोड किया गया है। • संस्थान से सम्बद्ध विद्यालयों के लिये वार्षिक शैक्षणिक कलेण्डर जारी किया गया। • तीनों संस्थाओं की गतिविधियों प्रचार–प्रसार हेतु फिल्म बनाई जाकर मोबाइल वेन द्वारा प्रचार किया गया है। • संस्थान में स्थित पुस्तकालय में संस्कृत के ग्रन्थ एवं अन्य साहित्य संबंधी पुस्तकों की संख्या 2084 डिजिटलाइजेशन किया गया।
10.	परीक्षाओं का आयोजन एवं पारदर्शी मूल्यांकन की व्यवस्था	• संस्थान की पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्ड (10वीं) एवं उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड (12वीं) के परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है :

सत्र	कक्षा	सम्मिलित विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी	प्रतिशत
2017–18	10वीं	1687	1264	75%
	12वीं	1286	760	58%
2018–19	10वीं	2709	1066	39%
	12वीं	1591	1018	64%

• वर्ष 2017–18 एवं 2018–19में संस्थान द्वारा आयोजित पूर्वमध्यमा एवं उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड (कक्षा – 10वीं एवं 12वीं) की परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था की गयी है। जिससे परीक्षायें अधिक पारदर्शी हो गयी है।

11.	संस्कृत विद्यालयों को मान्यता	• संस्थान द्वारा शासकीय/अशासकीय/परम्परागत संस्कृत महाविद्यालयों एवं विद्यालयों को मान्यता प्रदान की गयी जो निम्नानुसार है :-

सत्र	शास. महाविद्या.	शास. विद्या.	परम्प. विद्या.	अशास. विद्यालय	कुल विद्या.
2019	09	26	87	84	206
2020	09	26	90	84	209

(प्रभातराज तिवारी)
निदेशक
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान
भोपाल